केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आर्मत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 291 शनिवार 16 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बांसी–इटवा मार्ग पर जानलेवा गड्ढे!

–सुनील दूबे–
बांसी (सिद्धार्थनगर)।

बांसी–इटवा मार्ग पर सहजी के पास सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है।

हैरानी की बात ये है कि इस सड़क का पुनः निर्माण हुए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ, लेकिन जगह–जगह बड़े–बड़े गड्ढे भ्रष्ट निर्माण की कहानी बयां कर रहे हैं।

हर दिन राहगीर और वाहन चालक दुर्घटना के खतरे के बीच सफर करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह मौन बने हुए हैं। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर जनता की जान से खिलवाड़ कब तक? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी?

बीमा के नाम पर युवक से 1.60 लाख की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीमा का पैसा दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 1 लाख 60 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर साइबर धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला परसरामपुर थाना क्षेत्र का है। परसरामपुर थाना क्षेत्र के कोहराये गांव निवासी बहरैईची वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि एक व्यक्ति ने उन्हें बीमा की धनराशि दिलाने का लालच दिया। आरोपी ने विभिन्न बहाने बनाकर वर्मा को विश्वास में लिया। आरोपी ने यूपीआई के माध्यम से अपने खाते में कुल 1 लाख 60 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। जब काफी समय बीतने के बाद भी बीमा की राशि नहीं मिली और आरोपी टालमटोल करने लगा, तब पीड़ित बहरैईची वर्मा को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ।

इसके बाद उन्होंने परसरामपुर थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपी के बैंक खाते की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती के धन्वारपुर गांव में गुरुवार देर शाम एक विवाहिता का शव कमरे में पंखे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान 27 वर्षीय नीलम मिश्रा के रूप में हुई है।

नीलम मिश्रा का विवाह लगभग छह साल पहले हुआ था। उनका डेढ़ माह का एक पुत्र भी है, जो घटना के समय अपनी दादी के पास था। नीलम के पिता रामदेव तिवारी, जो सिद्धार्थनगर के तुरकौलिया, थाना इटवा के निवासी हैं, को देर शाम घटना की सूचना मिली, जिसके बाद परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। मृतका की मां पुष्पा देवी ने अपनी बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि जिस कमरे में नीलम का शव मिला, उसका दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला, तो पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, जहां नीलम का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

बस्ती समेत 100 अस्पतालों का आयुष्मान रजिस्ट्रेशन निलंबित, 200 पर कार्रवाई, भुगतान रोका गया

लखनऊ (आभा)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले यूपी के 200 प्राइवेट अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर आयुष्मान योजना के तहत रजिस्टर्ड 100 अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया गया है। साथ ही 100 अस्पतालों का भुगतान भी रोका गया है। सीएम योगी की इस कार्रवाई से अन्य अस्पतालों में हड़कंप मचा है। सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना देश के आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण योजना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में

इसे अधिक प्रभावी, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए समय–समय पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी दिशा में अस्पतालों की सूचीबद्धता और गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया को और अधिक सख्त बनाया गया है।

इनमें आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज, अमेठी, अमरोहा, आजमगढ़, बागपत, बांदा, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, देवरिया, फर्रुखाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, हाथरस, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर नगर, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, मथुरा, मऊ, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, प्रतापगढ़, संतकबीरनगर, सुल्तानपुर, वाराणसी, शाहजहांपुर, जालौन, मिर्जापुर, अंबेडकरनगर, रामपुर और सोनभद्र सहित कई जिलों के अस्पताल शामिल हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश हैं कि योजना के लाभार्थियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार द्वारा अस्पताल इम्पैनलमेंट मॉड्यूल (एचईएम) पोर्टल के माध्यम से सूचीबद्ध अस्पतालों का सत्यापन निर्धारित मानकों के आधार पर किया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत अस्पतालों के लिए 35 महत्वपूर्ण मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। इनमें अस्पताल का पंजीकरण प्रमाणपत्र, फायर सेफ्टी एनओसी, आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, चिकित्सकों की शैक्षणिक योग्यता, एचएफआर पंजीकरण सहित अन्य जरूरी दस्तावेज और व्यवस्थाएं शामिल हैं।

सीईओ ने बताया कि नेशनल हेल्थ अथॉरिटी और स्टेट हेल्थ एजेंसी की ओर से ई–मेल, दूरभाष, संदेश, पत्राचार और वर्चुअल बैठकों के माध्यम से अस्पतालों को हर स्तर पर सहायता दी गई। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि अब तक 95 प्रतिशत से अधिक अस्पताल सफलतापूर्वक एचईएम 2.0 पोर्टल पर माइग्रेट हो चुके हैं। हालांकि, कुछ निजी अस्पतालों ने निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं की।

बस्ती के युवक की रीवा में मौतः हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। मध्य प्रदेश रीवा जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों द्वारा सूचना दिए जाने पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोनार निवासी चंदन निषाद (30) वर्ष, पुत्र अर्जुन निषाद के रूप में की गई है।

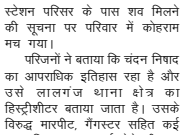

पुलिस जांच के दौरान मृतक के पास से आधार पत्र एवं एक डायरी बरामद हुई, जिसके आधार पर उसकी शिनाख्त सुनिश्चित की गई। डायरी में दर्ज मोबाइल नंबरों के माध्यम से पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही परिजन रीवा पहुंचे, जहां शव की पहचान की गई। परिजनों के अनुसार मृतक 4 मई को घर से बिना बताए निकला था, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा था। 13 मई की सुबह रेलवे स्टेशन परिसर के पास शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों ने बताया कि चंदन निषाद का आपराधिक इतिहास रहा है और उसे लालगंज थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर बताया जाता है। उसके विरुद्ध मारपीट, गैंगस्टर सहित कई आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की बात भी सामने आई है। परिजनों का यह भी कहना है कि पूर्व में पुलिस मुठभेड़ के दौरान उसे गोली लगी थी, जिसके बाद वह लगातार चर्चा में रहा।

शव गांव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है तथा संबंधित थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की मांग की है।

खुजली के इलाज के लिए पहुंची महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में खुजली के इलाज के लिए पहुंची महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को अस्पताल को सील कर दिया। अस्पताल संचालक घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ डॉ. राजीव निगम और सीओ रुधौली कुलदीप यादव मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

लोहदर गांव निवासी अनिल चौधरी अपनी 27 वर्षीय पत्नी रोशनी को गुरुवार देर रात शरीर में तेज खुजली होने पर बस्ती–कांटे मार्ग स्थित हरिओम पेट्रोल पंप के सामने संचालित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पति अनिल चौधरी का आरोप है कि अस्पताल कर्मचारियों ने रोशनी को दो–तीन इंजेक्शन लगाए, जिसके बाद उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। अनिल चौधरी के अनुसार, इंजेक्शन के बाद रोशनी के मुंह से झाग निकलने लगा। आरोप है कि अस्पताल कर्मियों ने उसे तत्काल बस्ती ले जाने की बात कहकर टाल दिया और एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं कराई।

अनिल किसी तरह अपनी पत्नी को बाइक से लेकर बस्ती के लिए निकले, लेकिन ओड़वारा के पास पहुंचते–पहुंचते रोशनी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही शुक्रवार सुबह ग्रामीणों और परिजनों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए और लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। इसी दौरान अस्पताल के कुछ कर्मचारी पीछे के रास्ते से फरार हो गए, जबकि एक कर्मचारी को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण करने के बाद अस्पताल को सील कर दिया। मृतका रोशनी अपने पीछे पांच वर्षीय पुत्री राधा और दो वर्षीय पुत्र हर्ष को छोड़ गई है। परिजन दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहे हैं।

छत के रास्ते घुसे चोर, लाखों की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुधौरा गांव में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने दो घरों में छत के रास्ते घुसकर लाखों रुपये के गहने और नगदी चोरी कर ली। इनमें से एक घर में अगले दिन बेटी की विदाई होनी थी।

सबसे बड़ी वारदात गांव निवासी शिव राम सागर के घर में हुई। उनके घर में बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। चोर देर रात छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और बेटी के लिए रखे मंगलसूत्र सहित लगभग 8 लाख रुपये के जेवरात और 1 लाख 20 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

सुबह जब परिवार के सदस्य जागे, तो उन्होंने घर का सामान बिखरा हुआ पाया। चोरी का पता चलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। इसी रात चोरों ने गांव के ही जगदेव मौर्य के घर को भी निशाना बनाया। वहां से भी चोर गहने और नगदी लेकर भाग गए। लगातार दो घरों में हुई चोरी की इन घटनाओं से गांव में भय का माहौल है।

सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। प्रभारी थाना अध्यक्ष कमलेश गौड़ ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि चोरी की घटना का जल्द ही खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सोने की चेन देने के नाम पर अधिवक्ता से धोखाधड़ी: मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मूडाडीहा निवासी अधिवक्ता विकम गौतम के साथ महादेवा चौराहा स्थित आर.के. ज्वेलर्स के संचालक राजन गुप्ता द्वारा सोने की चेन देने के नाम पर 1,15371 (एक लाख 15 हजार तीन सौ इक्हत्तर) रुपये के धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अधिवक्ता विकम गौतम की तहरीर पर मुण्डेरवा पुलिस राजन गुप्ता के विरूद्ध बीएनएस की धारा 316 (2) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की छानवीन कर रही है।

अधिवक्ता विकम गौतम ने बताया कि उन्होने अपने विवाह में सोने की चेन के लिये आर.के. ज्वेलर्स के संचालक राजन गुप्ता को कई किश्तों में नकद, गूगल पे व फोन पे के माध्यम से 1,15371 रुपया दिया। बाद में राजन गुप्ता ने जब सोने की चेन देने से इंकार कर दिया तो मजबूर होकर उन्हें मुकदमा दर्ज करना पड़ा। राजन गुप्ता ने एक फर्जी रसीद तैयार कर सोने की चेन देने का षड्यंत्र भी किया।

उन्होने पुलिस प्रशासन से अपना सोने की चेन उसी समय के भाव मे दिलाये जाने की मांग किया है।

एक करोड़ की लागत से बभनगांवा तालाब का कायाकल्प शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के बभनगांवा वार्ड में स्थित वर्षों पुराने तालाब का कायाकल्प कार्य शुरू हो गया है। लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से यह तालाब अब नए स्वरूप में नजर आने की तैयारी में है। लंबे समय से गंदगी, जलकुंभी और उपेक्षा का शिकार रहा यह तालाब अब प्रशासन की पहल से पुनर्जीवित किया जा रहा है। तालाब की सफाई के लिए विशेष नावों का उपयोग किया जा रहा है, जिनसे जलकुंभी हटाई जा रही है। इसके साथ ही, जेसीबी मशीनों की मदद से तालाब के किनारों की सफाई और गाद हटाने का कार्य तेजी से जारी है। यह तालाब कभी पशु–पक्षियों और किसानों

के लिए जीवनदायिनी माना जाता था।

लगभग 30 वर्ष पहले तक आसपास के किसान इसके पानी का उपयोग कृषि कार्यों में करते थे और पशु–पक्षी भी यहीं से अपनी प्यास बुझाते थे। हालांकि, देखरेख के अभाव में धीरे–धीरे यह तालाब गंदगी से पट गया और इसका प्राकृतिक स्वरूप नष्ट हो गया था।

जिला प्रशासन और नगर पालिका की इस पहल से स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि यह तालाब शहर की सुंदरता और पर्यावरण संरक्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अंगर गुप्ता ने बताया कि कायाकल्प योजना के तहत तालाब के चारों ओर सीढ़ियां बनाई जाएंगी, एक वॉकिंग ट्रैक विकसित किया जाएगा और हरियाली बढ़ाने के लिए फूल व पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्य पूरा होने के बाद यह स्थल शहरवासियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा।

गौसंरक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं, निरीक्षण करें नोडल अधिकारी–डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौआश्रय स्थलों के व्यवस्थाओं गोवंशो के संरक्षण एवं शासन द्वारा संचालित गौसेवा संबंधी योजनाओं की समीक्षा हेतु नामित नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी।

बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने गौआश्रय स्थल हेतु नामित नोडल अधिकारियों को कहा कि गौसंरक्षण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नही की जायेगी। उन्होने समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक सप्ताह गौआश्रय स्थलों का निरीक्षण करें, वहॉ की व्यवस्थाओं का सतत् अनुश्रवण सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान प्राप्त कमियों को तत्काल दूर कराने के निर्देश भी दिये गये।

जिलाधिकारी ने कहा कि गौआश्रय स्थलों में रह रहे गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि बीमार एवं घायल गोवंशों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने साफ–सफाई व्यवस्था पर विशेष बल देते हुए कहा कि आश्रय स्थलों में स्वच्छता बनाये रखना अत्यन्त आवश्यक है ताकि गोवंशों को किसी प्रकार की बीमारी का खतरा न हों। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि बीमार पशुओं का अलग रखा जाय, उन्हें उसी स्थान पर भूसा, चारा व पानी उपलब्ध कराया जाय। मृत पशुओं का शव सम्मानपूर्वक दफन किया जाय। इसके अतिरिक्त गर्मी और बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए गोवंशों को लिए पर्याप्त छाया, पानी एवं सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये गयें। उन्होने यह भी कहा कि नर व मादा गौवंशों को अलग–अलग रखा जाय। उन्होने डीएओ को निर्देशित किया कि गौआश्रय स्थलों पर छायादार पौधों का पौधरोपण युद्धस्तर पर सुनिश्चित किया जाय।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गौआश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा कियाशील अवस्था में रहें, जिससे आवश्यकतानुसार अवलोकन किया जा सकें। उन्होने कहा कि पशुओं का टीकाकरण समय से हो तथा समस्त आवश्यक रजिस्टर अद्यतन रहें।

धुरदा में बनेगा उत्सव भवन विधायक ने किया शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के धुरदा ग्राम पंचायत में जनपद के पहले उत्सव भवन का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह ने शुक्रवार को किया। लगभग 1.5 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उत्सव भवन के बनने से क्षेत्र के दर्जनों गाँवों के लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। इस उत्सव भवन के निर्माण से धुरदा सहित आसपास के गांवों के लोगों को लाभ मिल सकेगा। कहा कि अब ग्रामीणों को शादी–विवाह, सामूहिक कार्यक्रम, सामाजिक बैठकें तथा सांस्कृतिक आयोजनों में सहूलियतें मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन का निर्माण गांव के विकास का प्रतीक है। यह भवन क्षेत्र की सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ–साथ लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया। परशुरामपुर प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय ने कहा कि अब तक क्षेत्र में किसी बड़े सार्वजनिक भवन की सुविधा नहीं थी, जिससे लोगों को निजी स्थानों या दूसरे क्षेत्रों का सहारा लेना पड़ता था। उत्सव भवन बनने के बाद क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी और सामाजिक कार्यक्रम व्यवस्थित ढंग से आयोजित हो सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि पंडित सरोज मिश्रा, खुशीराम वर्मा प्रधान, अखिलेश सिंह, भरत सिंह, वीरू सिंह, दीपक सिंह, अवनीश सिंह, सत्येंद्र सिंह, पुरुषोत्तम तिवारी, शिवनाथ मौर्या, रामसुभावन यादव, आशीष राजभर, नरेंद्र राजभर, राजन सिंह, मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

— बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भाजपा सरकार की प्राथमिकता— अजय सिंह

प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में हरिओम अध्यक्ष आनन्द मंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई परशुरामपुर का त्रैवार्षिक अधिवेशन शुक्रवार को बीआरसी परिसर में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से हरिओम यादव को अध्यक्ष तथा आनन्द को मंत्री पद के लिए निर्वाचित किया गया। साथ ही अन्य पदों पर भी शिक्षकों का मनोनयन किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शिक्षकों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

चुनाव पर्यवेक्षक नन्दलाल, चुनाव अधिकारी आज्ञाराम वर्मा और संजीव सिंह के देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। किसी भी पद पर एक से अधिक प्रत्याशी न होने के कारण सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का कार्य पूर्ण हुआ। अध्यक्ष और मंत्री के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सन्तोष कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष पद पर सुनील तिवारी, सन्तोष सिंह, बृजेश कुमार, प्रवीण कुमार, विजय पाण्डेय और साधना तिवारी, संयुक्त मंत्री पद पर राम भवन मौर्य, संगठन मंत्री पद पर कमलेश कुमार, सन्तोष कुमार त्रिपाठी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, साक्षी मिश्रा और पूनम देवी, प्रचार मंत्री पद पर विवेक तिवारी, अभिनव मिश्रा, प्रमोद वर्मा, प्रियंका शर्मा और अनीता, कोषाध्यक्ष पद पर त्रिभुवन, लेखाकार पद पर सन्तोष शुक्ल, आय व्यय निरीक्षक पद पर विवेक आनन्द को निर्वाचित किया गया।

इसी तरह संघर्ष समिति के अध्यक्ष पद पर विजय राव, मंत्री पद पर आलोक पटेल, संयुक्त मंत्री पद पर दुर्गेश कुमार, उपाध्यक्ष पद पर महादेव को मनोनीत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक ही समाज की नींव हैं, क्योंकि वही ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र का भविष्य तैयार करते हैं। जिला अध्यक्ष चंद्रिका सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि अपने अधिकारों के लिए शिक्षक एकजुट रहें। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सजग रहने की बात कही। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि जिन ब्लॉकों में अधिवेशन अभी बचा है जल्द ही उसको संपन्न करा लिया जाएगा।

अधिवेशन में मुख्य रूप से सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, हरेंद्र यादव, रंजन सिंह, आशीष दुबे, अखिलेश पाण्डेय सहित सैकड़ो की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

—शिक्षक समाज की नींव— श्रीश पाण्डेय

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 मई 2026 शनिवार

सम्पादकीय

आंधी तूफान से तबाही और मौतें

उत्तर प्रदेश में आंधी–तूफान, बारिश और ओलावृष्टि की वजह से जैसे हालात पैदा हुए, उसने एक बार फिर यही दर्शाया कि मौसम की मार से बचाव के लिए एहतियात बरतने से लेकर सटीक पूर्वानुमान को लेकर तकनीकी स्तर पर अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। राज्य के कई इलाकों में बुधवार की शाम को तेज आंधी–तूफान, बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि एक तरह से कहर बरपा रही थी और आम लोग उसके सामने लाचार थे।

कई जगहों पर तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कितनी ही जगहों पर भारी पेड़ उखड़कर वाहनों पर गिर गए और सड़कों के किनारे लगे बोर्ड उड़कर तेज रफ्तार से जमीन पर गिरे। करीब चौबीस घंटों के दौरान करीब सौ लोगों की जान चली गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए। कई जिलों में दो हजार से ज्यादा गांवों में बिजली गुल हो गई। कुदरत के इस कहर के बाद मौसम विभाग ने राज्य के अड़तीस जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका के मद्देनजर पीली चेतावनी जारी की, लेकिन अफसोस की बात यह है कि पूर्वानुमानों के बावजूद कई बार ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं, जिनमें तूफान या बिजली गिरने की घटनाएं आम लोगों पर कहर बनकर टूटती हैं।

जाहिर है, मौसम की अपनी गति होती है और प्रकृति में उथल–पुथल के नतीजे में ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अमूमन हर वर्ष अचानक मौसम का रुख बिगड़ने की आशंका के बावजूद आम लोग इससे बचाव के लिए एहतियात नहीं बरत पाते। इसका खमियाजा यह सामने आता है कि जिन हालात में कुछ लोगों की जान बच सकती थी, उसमें नाहक ही कई लोगों की जान चली जाती है।

राज्य में मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती ढांचे और दक्षिण राजस्थान से आ रही हवाओं के प्रभाव से वहां कई जगहों पर अस्सी से सौ किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। नतीजतन, बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ। कई जगहों पर न केवल घरों की छत उड़ गई, बल्कि लोगों के लिए पांव टिकाना भी मुश्किल था। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मौसम में बचाव को लेकर जरूरी प्रशिक्षण के अभाव का नुकसान आम लोगों को किस स्तर पर उठाना पड़ता है।

संभव है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के साथ–साथ मौसम साफ होने लगे और उसके बाद तापमान में धीरे–धीरे बढ़ोतरी हो, लेकिन इसके साथ यह भी सच्चाई है कि साल के इन महीनों में कई बार तेज रफ्तार से चलने वाला तूफान और ओलावृष्टि कई स्तर पर आम लोगों के लिए व्यापक क्षति और खतरे का वाहक बनते हैं।

पिछले कुछ वर्षों से हर बार यह देखा जाता है कि एक ओर तूफान में पेड़ या घर गिरने जैसी घटनाओं की वजह से कई लोग मारे जाते हैं, तो दूसरी ओर घर से लेकर फसलों तक को व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन किए जाने की जरूरत है कि हाल के वर्षों में बिजली गिरने की घटनाओं में तेज इजाफा क्यों हुआ है, क्योंकि अकेले इस कारण से भी देश भर में काफी संख्या में लोगों की जान जा रही है। मौसम में तेज उतार–चढ़ाव को रोकना भले ही संभव न हो, लेकिन उससे बचाव के कुछ मामूली उपाय करके जानमाल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

मणिपुर हिंसा के यक्ष प्रश्न

मणिपुर तीन साल से हिंसा की आग में झुलस रहा है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब ढाई सौ से ज्यादा लोग हिंसा में जान गंवा चुके हैं। हजारों लोगों के विस्थापन से राज्य का सामाजिक ताना–बाना टूट–सा गया है। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद आखिर क्या वजह है कि उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग सका है।

बीते बुधवार को उग्रवादियों ने एक बार फिर हमला कर तीन लोगों की हत्या कर दी। कांगपोकपी जिले में अंधाधुंध गोलीबारी में चार नागरिक भी घायल हो गए। इस घटना से नाराज नागरिकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग–2 को बंद कर दिया। गौरतलब है कि यह मार्ग मणिपुर को न केवल नगालैंड से, बल्कि देश के अन्य हिस्सों से भी जोड़ता है। इस समय राज्य में कानून–व्यवस्था की जो स्थिति बनी हुई है, वह बेहद चिंताजनक है। एक बार फिर हुई हिंसा से साबित होता है कि सुरक्षा एजेंसियां सशस्त्र समूहों को नियंत्रित कर पाने में विफल रही हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप का भी कोई असर नहीं दिखता। समझौते भी औपचारिक बनकर रह गए हैं।

दरअसल, मणिपुर में शांति बहाली का कोई भी प्रयास इसलिए भी नाकाम हो जाता है, क्योंकि परस्पर विरोधी समूहों को कायदे से अब तक संवाद की मेज पर नहीं लाया जा सका है और न ही शायद इसकी जरूरत महसूस की गई। यही वजह है कि अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे सशस्त्र समूहों में एक–दूसरे के प्रति संदेह और अविश्वास खत्म नहीं हो रहा। यह निराशाजनक ही है कि जब भी राज्य में थोड़ी–बहुत स्थिति सुधरती दिखाई देती है, कोई न कोई उग्रवादी हमला राज्य को हिंसा की आग में झोंक देता है। सरकार अगर अलग–अलग समुदायों के प्रतिनिधियों को संवाद के लिए राजी करती, तो शायद उनके बीच भरोसा कायम होता। मगर केंद्र से लेकर राज्य सरकारों के भीतर इस मसले पर कोई संजीदगी नहीं दिखती।आज राज्य में शांति प्रबंधन की नहीं, बल्कि उसे स्थापित करने के लिए सक्रिय होने की जरूरत है। इसके लिए राज्य सरकार और केंद्रीय सुरक्षा बलों को मिलकर काम करना होगा, अन्यथा मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

एक शिक्षक के भरोसे यूपी के 9508 स्कूल

—अखिल कुमार यादव—

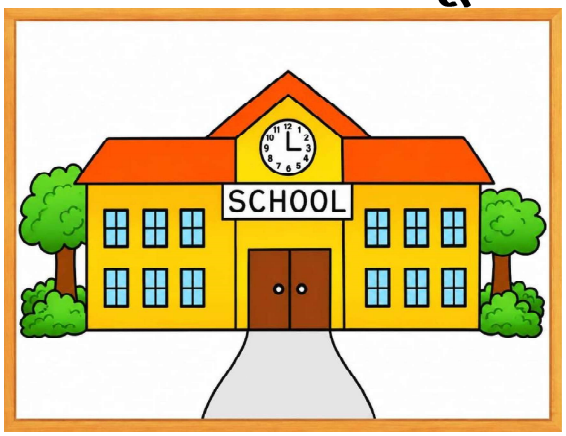

भारत में शिक्षा को हमेशा भविष्य निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। संविधान से लेकर संसद तक और सरकारी घोषणाओं से लेकर चुनावी मंचों तक, शिक्षा को देश के विकास की धुरी बताया जाता है। नई शिक्षा नीति में ष्समग्र शिक्षाष्, ष्डिजिटल लर्निंगष्, ष्फाउंडेशनल एजुकेशनष् और ष्विश्वस्तरीय मानव संसाधनष् जैसे बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। लेकिन इन दावों और योजनाओं के बीच एक ऐसी सच्चाई मौजूद है, जो देश की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था की जड़ों में गहरे संकट की ओर संकेत करती है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 9508 ऐसे स्कूल हैं जहाँ पूरा विद्यालय केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहा है। यह आंकड़ा केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य का प्रश्न है जिनके सपने सरकारी विद्यालयों की चौखट पर आकार लेते हैं। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। यहाँ प्राथमिक शिक्षा सिर्फ पढ़ाई तक सीमित विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और ग्रामीण विकास की नींव है। राज्य के लाखों गरीब, दलित, पिछड़े और मजदूर परिवारों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूल ही शिक्षा का एकमात्र सहारा हैं। लेकिन जब एक विद्यालय में केवल एक शिक्षक हो, तो शिक्षा का उद्देश्य धीरे–धीरे औपचारिकता में बदलने लगता है। वह शिक्षक ही प्रधानाध्यापक होता है, वही उपस्थिति दर्ज करता है, वही मिड–डे मील की निगरानी करता है, वही सरकारी पोर्टल भरता है और वही पहली से पाँचवीं तक की सभी कक्षाओं को पढ़ाने की कोशिश करता है। ऐसे में पढ़ाई कितनी प्रभावी होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी अधिक गंभीर है। कई गांवों में बच्चे अलग–अलग कक्षाओं के होकर भी एक ही कमरे में बैठते हैं। शिक्षक कभी पहली कक्षा को वर्णमाला सिखा रहा होता है, तो उसी समय तीसरी कक्षा को गणित और पाँचवीं को पर्यावरण पढ़ाने का प्रयास करता है। शिक्षा विशेषज्ञ इसे ष्मल्टी–ग्रेड टीचिंगष् कहते हैं, लेकिन वास्तविकता में यह व्यवस्था बच्चों की सीखने की क्षमता को कमजोर कर देती है। छोटे बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान नहीं मिल पाता और बड़ी कक्षाओं के छात्र बुनियादी विषयों में पिछड़ जाते हैं। यही कारण है कि विभिन्न सर्वेक्षणों में बार–बार सामने आया है कि बड़ी संख्या में बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़ने–लिखने और गणित करने में सक्षम नहीं हैं। कई बच्चे पाँचवीं तक पहुँचने के बाद भी दूसरी कक्षा की किताब धाराप्रवाह नहीं पढ़ पाते। विडंबना यह है कि जिस शिक्षक से पूरे स्कूल को संभालने की अपेक्षा की जाती है, वह स्वयं गैर–शैक्षणिक कार्यों के बोझ तले दबा रहता है। चुनाव ड्यूटी, जनगणना, सर्वेक्षण, आधार सत्यापन, राशन कार्ड जांच, सरकारी योजनाओं का डेटा अपलोड और मिड–डे मील की निगरानी जैसे अनेक कार्य शिक्षकों के जिम्मे डाल दिए जाते हैं। ऐसे में पढ़ाई का वास्तविक समय लगातार कम होता जाता है। शिक्षा धीरे–धीरे कागजी उपलब्धियों और सरकारी रिपोर्टों तक सीमित होकर रह जाती है। यह स्थिति नई शिक्षा नीति के दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। नीति में फाउंडेशनल लर्निंग को सबसे महत्वपूर्ण बताया गया है। कहा गया कि प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की भाषा और गणित की नींव मजबूत की जाएगी। डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लास और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों की बात की गई। लेकिन जिस स्कूल में एक ही शिक्षक पाँच कक्षाएँ संभाल रहा हो, वहाँ इन योजनाओं का वास्तविक क्रियान्वयन कैसे संभव होगा? तकनीक और डिजिटल संसाधन तब ही प्रभावी होते हैं जब आधारभूत संरचना और पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हों। यदि शिक्षक ही नहीं होंगे, तो स्मार्ट क्लास की घोषणाएँ सिर्फ पोस्टरों और भाषणों तक सीमित रह जाएंगी।

समस्या सिर्फ शिक्षक की कमी तक सीमित नहीं है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि देश के हजारों स्कूलों में आज भी बिजली, पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएँ नहीं हैं। ग्रामीण उत्तर प्रदेश में कई विद्यालय ऐसे हैं जहाँ बरसात में छत टपकती है, गर्मी में बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ते हैं और शौचालय अनुपयोगी पड़े रहते हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव बालिकाओं की शिक्षा पर पड़ता है। यदि विद्यालय में महिला शिक्षक न हो और शौचालय की उचित व्यवस्था न हो, तो किशोरियों का स्कूल आना धीरे–धीरे कम होने लगता है। कई परिवार सुरक्षा और सुविधा की कमी के कारण बेटियों की पढ़ाई बीच में ही छुड़ा देते हैं। इस प्रकार एक शिक्षक वाले स्कूल सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और महिला सशक्तिकरण को भी प्रभावित करते हैं। सरकारी स्कूलों की बिगड़ती स्थिति का एक बड़ा परिणाम यह भी हुआ है कि अभिभावकों का भरोसा धीरे–धीरे कम होता जा रहा है। आज गांवों में भी निजी स्कूलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गरीब परिवार, जो मुश्किल से दो वक्त की रोटी जुटा पाते हैं, वे भी बच्चों को निजी विद्यालय भेजने के लिए कर्ज तक लेने को तैयार हैं। इसका कारण सिर्फ अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण नहीं, बल्कि सरकारी स्कूलों के प्रति घटता विश्वास है। जब अभिभावक देखते हैं कि स्कूल में सिर्फ एक शिक्षक है और पढ़ाई नियमित नहीं हो पा रही, तो उन्हें अपने बच्चों का भविष्य असुरक्षित दिखाई देता है। परिणामस्वरूप शिक्षा में वर्गीय विभाजन बढ़ता जा रहा है। जिनके पास पैसे हैं वे निजी शिक्षा की ओर चले जाते हैं, जबकि गरीब बच्चों के हिस्से कमजोर सरकारी व्यवस्था आती है। यह स्थिति संविधान की भावना पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21। छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल स्कूल भवन बना देना ही शिक्षा का अधिकार पूरा कर देता है? यदि विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक न हों, पढ़ाई नियमित न हो और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा न मिले, तो यह अधिकार अधूरा ही माना जाएगा। शिक्षा का अर्थ केवल नामांकन नहीं, बल्कि सीखने की वास्तविक क्षमता विकसित करना है। उत्तर प्रदेश में लंबे समय से शिक्षक भर्ती एक राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दा बनी हुई है। कई भर्ती प्रक्रियाएँ वर्षों तक अदालतों में फँसी रहीं। कई बार चयन प्रक्रिया विवादों में रही। परिणामस्वरूप हजारों पद खाली पड़े रहे। दूसरी ओर बड़ी संख्या में प्रशिक्षित युवा शिक्षक भर्ती की प्रतीक्षा करते रहे। यह विडंबना ही है कि एक तरफ लाखों युवा रोजगार की तलाश में हैं और दूसरी ओर हजारों स्कूल शिक्षक विहीन या एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं।

हालांकि इस समस्या का समाधान असंभव नहीं है। सबसे पहले बड़े पैमाने पर पारदर्शी और नियमित शिक्षक भर्ती की आवश्यकता है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में कार्य करने वाले शिक्षकों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। विद्यालयों में छात्र संख्या और भौगोलिक स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से शिक्षकों की तैनाती होनी चाहिए। गैर–शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त करना भी जरूरी है ताकि वे पूरा समय पढ़ाई पर दे सकें। पंचायत स्तर पर विद्यालयों की निगरानी और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही सरकार को डिजिटल शिक्षा के प्रचार से पहले बुनियादी ढाँचे शिक्षक, कक्षाएँ, पानी, बिजली और शौचालय कृ पर प्राथमिकता से निवेश करना होगा। दरअसल प्राथमिक विद्यालय किसी भी राष्ट्र की बुनियाद होते हैं। यदि बुनियाद कमजोर होगी, तो उच्च शिक्षा और कौशल विकास की पूरी संरचना प्रभावित होगी। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में, जहाँ देश की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है, वहाँ शिक्षा व्यवस्था की कमजोरी सीधे भविष्य की अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास को प्रभावित करेगी। आज जिन बच्चों के हाथों में किताबें होनी चाहिए, वे कमजोर शैक्षणिक व्यवस्था के कारण धीरे–धीरे अवसरों की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं।

यह भी सच है कि शिक्षा केवल सरकारी नीति का विषय नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। जब गांव का स्कूल कमजोर होता है, तो उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। कमजोर शिक्षा बेरोजगारी बढ़ाती है, सामाजिक असमानता को गहरा करती है और लोकतंत्र की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। इसलिए शिक्षा को केवल बजट और आंकड़ों तक सीमित न रखकर वास्तविक सुधार की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के 9508 स्कूल केवल एक संख्या नहीं हैं। वे उन लाखों बच्चों की कहानी हैं जो बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर हर सुबह स्कूल जाते हैं। वे उन शिक्षकों की कहानी भी हैं जो सीमित संसाधनों और अत्यधिक जिम्मेदारियों के बीच पूरी ईमानदारी से व्यवस्था को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन किसी भी व्यवस्था की मजबूती केवल व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं, बल्कि नीतिगत संकल्प और प्रशासनिक इच्छाशक्ति से तय होती है।

आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को राजनीतिक नारों से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। क्योंकि जिस कक्षा में एक शिक्षक पाँच कक्षाओं का भविष्य संभाल रहा हो, वहाँ केवल पढ़ाई नहीं, बल्कि पूरे समाज की उम्मीदें संघर्ष कर रही होती हैं। यदि गांव का स्कूल मजबूत नहीं होगा, तो भारत का भविष्य भी मजबूत नहीं हो सकता।

मंहगाई से कठिन होता आम आदमी का जीवन

—जयन्तीलाल भण्डारी—

पश्चिम एशिया संकट और अन्य कारणों से भारत में महंगाई बढ़ रही है। 12 मई को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल, 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.48 प्रतिशत हो गई, जो मार्च की 3.40 प्रतिशत दर से अधिक है। इससे आम जनता का दैनिक जीवन कठिन हो रहा है और अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण जनता से पेट्रोल, डीजल और गैस के संयमित उपयोग की अपील की है और मेट्रो, सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहन, कार पूलिंग, वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों को बढ़ावा देने को कहा है। अर्थ विशेषज्ञ भी भारत को पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक अनिश्चितता के लिए सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, आरबीआई के गर्वनर ने महंगाई बढ़ने पर नीतिगत रेपो रेट बढ़ाने की संभावना जताई है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति बाधाओं से भारत में महंगाई बढ़ रही है। सरकार महंगाई नियंत्रण के उपाय कर रही है, लेकिन नागरिकों को पेट्रोल–डीजल के संयमित उपयोग और अन्य प्रयासों में मदद करनी होगी। एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ी कीमतों से व्यवसायों की लागत बढ़ी है, जिसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने से महंगाई और बढ़ रही है।

हालांकि, अभी पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की खुदरा कीमतें वैश्विक पेट्रोलियम उत्पादों की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों को हर माह करीब 30 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। भारत में महंगाई की दर अभी दुनिया की तुलना में कम है, लेकिन बढ़ने की प्रवृत्ति स्पष्ट है। एशियाई विकास बैंक और ईवाई इंडिया की रिपोर्टों के अनुसार, 2026 में महंगाई दर 6 प्रतिशत से ऊपर स्तर तक पहुंच सकती है।

क्रिसिल की 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल, 2026 में घर पर बनी थाली की कीमतें बढ़ गई हैं। आम जीवन की रोजमर्रा की वस्तुएं जैसे रसोई का सामान, कपड़े और घरेलू उपकरण महंगे हो रहे हैं। एफएमसीजी कंपनियां उत्पादों की कीमत बढ़ाने या पैकेट का आकार घटाने पर विचार कर रही हैं। साथ ही, भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण सामान्य से कम मॉनसून की आशंका जताई है, जिससे कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आम आदमी को महंगाई से बचाने के लिए रणनीतिक कदम उठाए हैं। पेट्रोल–डीजल पर उत्पाद कर में कटौती की गई और निर्यात शुल्क बढ़ाया गया ताकि घरेलू ईंधन की कीमतें काबू में रहें। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है, तेल रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। इसके अलावा, सरकार ने खाद्य वस्तुओं के बफर स्टॉक बढ़ाए, रणनीतिक बिक्री की और जरूरी आयात को सुविधाजनक बनाया है ताकि महंगाई के प्रभाव को कम किया जा सके।

पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत के पास महंगाई नियंत्रण की कुछ मजबूत बुनियादी शक्ति है। सरकार की आर्थिक और कूटनीतिक पहलें असर दिखा रही हैं और विशाल खाद्यान्न भंडार, रिकॉर्ड उत्पादन और 80 करोड़ कमजोर वर्ग को निरुशुल्क वितरण भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में 690 अरब डॉलर से अधिक की उपलब्धता भी आर्थिक स्थिरता का संकेत है। हालांकि, वैश्विक तेल कीमतें बढ़ रही हैं और नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, ऐसे में नागरिकों को पेट्रोल–डीजल का संयमित उपयोग करने की आवश्यकता है।

आशा है सरकार द्वारा पश्चिम एशिया संकट के बीच महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर ब्राजील, रूस और वेनेजुएला से कच्चे तेल का अधिक आयात किया जाएगा। पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण 30 प्रतिशत किया जाएगा। तेल की मांग में कमी करने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के उपयोग में तेजी लाई जाएगी। सरकार द्वारा गैर विकास कार्यों पर खर्च में कमी के साथ अनावश्यक सब्सिडी में कटौती की जाएगी। सरकार के द्वारा खाद्य तेल के आयात शुल्क में कमी सहित उवर्रकों की उपयुक्त आपूर्ति के लिए आगे बढ़ा जाएगा।

रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक नीति सख्त करते हुए वर्तमान नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) को आवश्यकता के अनुरूप बढ़ाया जाएगा। साथ ही सरकार द्वारा कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को कड़ाई से लागू करना चाहिए। सरकार के बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से ही भारत वैश्विक ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर पाएगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

समन्वय के राजनीति की पहल

—विश्वनाथ सचदेव —

यह जानना एक सुखद आश्चर्य ही है कि शुभेन्दु अधिकारी ने 'जय श्रीराम' का नारा लगाने वाले अपने प्रशंसकों को नारा लगाने से रोक दिया। उन्होंने कहा, अब वह सब के मुख्यमंत्री हैं। देश में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव संपन्न हो गये। सरकारें भी बन ही गयीं। नए मुख्यमंत्रियों ने अपनी प्राथमिकताएं भी घोषित कर दी हैं। इन घोषणाओं पर ध्यान जाना स्वाभाविक भी है, और जरूरी भी। यूं तो चुनाव कहीं भी हो, महत्वपूर्ण होते हैं, पर इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु दो ऐसे राज्य हैं जहां के परिणाम ने चुनावी पंडितों को भी चौंका दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी की हार हैरान कर देने वाली है। तमिलनाडु में भी द्रविड–राजनीति का अवसान और एक नयी पार्टी का सत्ता में आना आसानी से समझ आने वाली बात नहीं है। राजनीतिक विश्लेषक स्थिति को समझें–समझाएंगे। लेकिन राजनीतिक दलों को भी आत्म–विश्लेषण करना होगा। सोचना मतदाता को भी पड़ेगा कि जो हुआ वह कैसे हो गया।

दोनों राज्यों के नए मुख्यमंत्रियों ने जीत के बाद अपने पहले वक्तव्य में जो कहा वह ध्यान आकर्षित करता है। तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री ने अपने मतदाताओं से 'कुछ समय' मांगते हुए जिस पहले आदेश पर हस्ताक्षर किये हैं, वह है राज्य की जनता को दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का है। वैसे यह उनके चुनावी वादों का हिस्सा था, फिर भी जिस तेजी से यह घोषणा की गयी है उससे यह स्पष्ट है कि वह अपने मतदाताओं का विश्वास बनाये रखने को प्राथमिकता देने वाले नेता हैं। आज तो सभी राजनीतिक दल और राजनेता रेवड़ियां बांटने वाली इस राजनीति को अपना चुके हैं, पर ज्ञातव्य है कि इस राजनीति की शुरुआत सत्तर साल पहले तमिलनाडु से ही हुई थी। तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री के. कामराज ने 'मिड डे मील' के रूप में यह प्रथा शुरू की थी। धीरे–धीरे यह सभी राज्यों की रीति–नीति का हिस्सा बन गयी। फिर तो चुनावों में घरेलू जरूरत की चीजों और आर्थिक सहायता तक बात पहुंच गयी। देखा जाये तो यह एक तरह से वोट के बदले रिश्वत दिया जाना ही है, पर राजनीति की यह 'रेवड़ी संस्कृति' आज हमारी राजनीति का एक स्वीकृत हिस्सा बन चुकी है।

इसमें संदेह नहीं है कि कुछ लाभ भी हैं इस राजनीति के। जैसे स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल बांटने से लेकर विद्यार्थियों को मोबाइल, कंप्यूटर तक मुफ्त देना शिक्षा के प्रसार में निश्चित रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ है। पर हकीकत यह भी है कि हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण में 56 प्रतिशत लोगों ने इस 'मुफ्तिया नीति' को अनावश्यक बताया है और इसे वोट बटोरने का एक प्रयास कहा है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने इस नीति के राष्ट्र की वित्तीय स्थिति पर कुप्रभाव की चर्चा की है। वित्तीय सहायता बांटने वाली इस राजनीति के कुप्रभाव को लेकर चिंता प्रकट करने वालों का यह भी कहना है कि इससे पर–निर्भरता की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए देश की 80 प्रतिशत आबादी को पांच किलो मुफ्त अनाज देने वाली नीति एक अर्से से आलोचना का शिकार हो रही है, लेकिन संबंधित सरकारों को वोट की दृष्टि से यह एक फायदे का सौदा लगता है! लेकिन इसके औचित्य पर उठने वाले सवाल एक गंभीर चिंतन की अपेक्षा करते हैं। तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री ने मतदाताओं को किए गये वादे को पूरा करने का एक उदाहरण तो प्रस्तुत किया है, पर यह 'मुफ्तिया राजनीति' राजनीतिक भ्रष्टाचार का भी एक उदाहरण है। लोक कल्याणकारी नीतियों का तो स्वागत होना चाहिए, पर मतदाता को नकद राशि देने वाली नीति जब एक तरह की होड़ बन जाये तो यह विषय प्रोत्साहन का नहीं, चिंता का बन जाता है। पर हमारे नेताओं को ऐसी कोई चिंता सताती नहीं है! राजनेताओं को यह चिंता सतानी चाहिए कि लालच देकर वोट खरीदने की जो यह परिपाटी हमारे देश में जड़ें जमा रही है, उसके दुष्परिणामों से कैसे बचा जा सकता है। क्या यह चिंता का विषय नहीं होना चाहिए कि महिलाओं के बैंक खातों में नकद राशि जमा करने की इस होड़ से प्रतिवर्ष देश पर 1.7 लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ रहा है? यह सवाल भी पूछा जाना चाहिए कि इतना पैसा मुफ्त बांटने के बाद विकास–कार्यों के लिए कितना पैसा बचेगा।

सीएम योगी ने किया 208 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, बोले– यूपी देश का ग्रोथ इंजन

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। विकास की प्रक्रिया बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके व बिना झुके चलती रहेगी। 2017 के पहले प्रदेश का विकास रुका था। माफिया गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे थे। सपा, बसपा व कांग्रेस के शासनकाल में अयोध्या में श्रीराम मंदिर व बनारस में काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण नहीं हो पाता। यह पार्टियां कार्य में स्वयं बांधा बनी थी। इसी के चलते पश्चिम बंगाल की जनता ने भी इन्हें उखाड़ फेंका।

मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ शुक्रवार चौतनवा में 208 करोड़ रुपये से अधिक की 79 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के चलते डीजल, पेट्रोल व एलपीजी की सप्लाई पर व्यापक असर पड़ा है। प्रतिदिन भारत सरकार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। कहा कि इस समय विपक्ष के नाकारात्मक नेरेटिव से बचना है। हमें प्रधानमंत्री के साथ खड़े रहना है। छोटे–छोटे प्रयास कर हम डीजल व पेट्रोल के दुरुपयोग को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में तेजी से विकास हो रहा है। सड़कें बेहतर हुई हैं। शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हुए हैं। महराजगंज सहित प्रदेश के सभी जिलों में मंदिरों का भी कायाकल्प कराया गया है। पहले यह रुपया कब्रिस्तान के बाउंड्रीवाल के निर्माण के लिए खर्च किया जाता था। पूर्ववर्ती सरकारों ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर ध्यान नहीं दिया। इंसेफलाइटिस से पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में नौनिहाल प्रभावित होते थे। अब डलब इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश बीमारू प्रदेश नहीं रह गया है। यहां के लोगों को पहचान का संकट नहीं है। देश में सबसे अधिक एक्सप्रेस –वे, मैट्रो, एयरपोर्ट यूपी में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत व नेपाल दोनों मित्र देश के रूप में साझी विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। दोनों के बीच रोटी–बेटी का संबंध है। दोनों देशों के बीच बिना किसी बांधा के आवागमन होता है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र का विकास आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि चौतनवा विधानसभा में भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी को पहली बार विजय मिली। उसी कर्ज को चुकाने के लिए जो भी प्रस्ताव यहां के विधायक व सांसद द्वारा दिया जाता है, उसे तत्काल स्वीकृत दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले की सरकारों ने वनटांगिया परिवारों की कभी सुधि नहीं ली, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें भूमि का मालिकाना हक दिलाने के साथ ही सभी अधिकार प्रदान किए। इससे पहले नौतनवा के विधायक ऋषि त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जिले के प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल, पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी नौतनवा चेयरमैन बृजेश मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख राकेश मद्धेशिया सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की प्रक्रिया बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके व बिना झुके चलती रहेगी। डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य राम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम जैसे ऐतिहासिक कार्य संभव हुए। सपा, बसपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां इन कार्यों में हमेशा बाधा बनती रहीं। इसी बाधा को पश्चिम बंगाल की जनता ने हमेशा के लिए उखाड़ फेंका है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को महराजगंज के नौतनवा में 208 करोड़ की लागत से 79 परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास तथा लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं टूलकिट वितरित करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित रह रहे थे।

उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश का विकास ठप था। गरीबों की पीड़ा को अनसुना कर दिया जाता था। माफिया लोगों की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे थे। आज यूपी देश के विकास इंजन के रूप में उभर रहा है, जिसे आगे बढ़ने से अब कोई नहीं रोक सकता। प्रदेश में माफिया का आतंक समाप्त हो चुका है, गो हत्या बंद है, बेटियां सुरक्षित हैं, गरीबों की जमीनों पर कोई कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि महराजगंज सहित प्रदेश के सभी जिलों में मंदिरों का कायाकल्प कराया गया है। पहले यह रुपया कब्रिस्तान के बाउंड्रीवाल के निर्माण में खर्च किया जाता था। यह बदलाव सही जगह वोट देने से संभव हुआ है। एक गलत वोट जातिवाद, क्षेत्रवाद और परिवारवाद की राजनीति को जन्म देता है। जब वोट सही जगह पड़ता है, तब विकास, सुरक्षा, रोजगार और सुशासन को गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया तनाव के चलते डीजल, पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे देश पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है, बावजूद इसके भारत सरकार कीमतों को नियंत्रित रखे हुए है। उन्होंने विपक्ष के नकारात्मक नैरेटिव से बचते हुए देश प्रथम की भावना के साथ हर नागरिक को देशहित में सरकार के साथ खड़ा होने का आह्वान किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील का पालन करते हुए बिजली और ईंधन की बचत करने, अनावश्यक उपयोग रोकने तथा छोटे–छोटे प्रयासों से देश को मजबूत करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उनके जीवन में बदलाव ला रही है। पहले की सरकारों ने वनटांगिया परिवारों की कभी सुधि नहीं ली, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें भूमि का मालिकाना हक दिलाने के साथ ही सभी अधिकार प्रदान किए। हर गरीब को आवास, हर घर को शौचालय, राशन और आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। महाराजगंज के सैकड़ों नौजवान उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए हैं। किसान सिंचाई, बीज, ट्रैक्टर, उन्नत खेती तथा सरकारी क्रय केंद्रों का लाभ उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत व नेपाल दोनों मित्र देश के रूप में साझी विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दोनों के बीच रोटी–बेटी का संबंध है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र का विकास आवश्यक है। इससे पहले नौतनवा के विधायक ऋषि त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जिले के प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल, पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी, नौतनवा चेयरमैन बृजेश मणि त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नौतनवा में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में उस समय भावुक और आत्मीय माहौल बन गया, जब मुख्यमंत्री ने छह माह के तीन मासूम बच्चों का पारंपरिक अन्नप्राशन संस्कार कराया। मंच पर मुख्यमंत्री ने उमर सद्दाम, सानवी और प्रशंसा को गोद में लेकर अपने हाथों से खीर खिलाई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री के स्नेहपूर्ण व्यवहार को देखकर कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

माकपा (माले) का कुशीनगर में प्रदर्शन

संवाददाता–कुशीनगर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) भाकपा (माले) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कुशीनगर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि 15 मई 2026 को खेत मजदूरों और ग्रामीण गरीबों के संगठनों द्वारा राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया गया है। इसी कड़ी में कुशीनगर में भी मजदूरों, किसानों और गरीब तबके से जुड़े मुद्दों को उठाया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला प्रभारी परमेश्वर सिंह ने किया। ज्ञापन में केंद्र सरकार से ग्रामीण गरीबों के लिए 100 दिन के मुफ्त रोजगार की गारंटी देने की मांग की गई। इसके अतिरिक्त, मनरेगा में 200 दिन काम और 600 रुपये दैनिक मजदूरी सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई। श्रम कानूनों को निरस्त करने, न्यूनतम मासिक वेतन 34 हजार रुपये करने और कार्य अवधि 8 घंटे तय करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। कार्यकर्ताओं ने नोएडा–गाजियाबाद में मजदूर आंदोलनों के दौरान गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई की भी मांग की, इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण को रोकने, स्मार्ट मीटर व्यवस्था समाप्त करने और पंजाब, कर्नाटक व दिल्ली की तर्ज पर 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग भी की गई। विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित दमनकारी कार्रवाई रोकने और किसानों की खेती में मजदूरों के भुगतान के लिए मनरेगा मद से सहायता देने की मांग भी उठाई गई।

खेत में मृत अवस्था में मिला तेंदुआ

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल रेंज के जंगल से भटककर एक तेंदुआ रामचन्द्रही गांव के पास मक्के के खेत में चला आया। इसे देखने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग की टीम को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीम ने स्वास्थ्य जांच के दौरान तेंदुए को मृत पाया। इसके बाद टीम ने मृत तेंदुए के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। तेंदुआ नर बताया जा रहा है। रामचन्द्रही गांव की कुछ महिलाएं चरी काटने खेत की तरफ जा रही थीं। इस बीच महिलाओं ने एक व्यक्ति के मक्का के खेत में एक तेंदुए को देखा। महिलाओं ने गांव में पहुंचकर पुरुषों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद तेंदुए को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।

ग्रामीणों की सूचना पर रेंजर सुनील राव, वन दारोगा अशोक सिंह, अब्दुल हकीम, डब्लूटीआई के अरशद हुसैन और पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंच गई। वन विभाग द्वारा तेंदुआ के रेस्क्यू के लिए पिंजड़ा भी मंगाया गया। इस बीच पशु चिकित्सकों द्वारा रेस्क्यू के पहले उसकी स्वास्थ्य जांच की गई तो वह मृत पाया गया। टीम तेंदुए को पोस्टमार्टम के लिए जंगल में ले गई। पशु चिकित्सक डॉ. वीके सिंह ने बताया कि तेंदुआ बीमार था। मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। रेंजर सुनील राव ने बताया कि तेंदुआ खेत में मृत अवस्था में पाया गया है। तेंदुआ पहले से बीमार था। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर पशु चिकित्सक डॉ. वीके सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय डॉक्टरों की टीम द्वारा मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम किया गया है। इसकी रिपोर्ट तीन दिन बाद आएगी। रिपोर्ट आने के बाद तेंदुए की मौत का कारण मालूम हो सकेगा।

नशे में धुत बैंक मैनेजर ने दो सिपाहियों को रौंदा

संवाददाता–गोण्डा। जिले में देर रात गश्त पर निकले दो बाइक सवार सिपाहियों को नशे में धुत तेज रफ्तार कार चालक बैंक मैनेजर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने कार चालक एसबीआई बैंक मैनेजर को नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया है। घटना करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के गोनवा गांव के पास गुरुवार देर रात करीब 1 बजे हुई। कोतवाली करनैलगंज में तैनात सिपाही हिमांशु प्रजापति और अनिल कुमार गुप्ता चौरी चौराहा की ओर गश्त पर जा रहे थे। पुलिस ने मौके से ही कार चालक को दबोच लिया। आरोपी की पहचान सीसामऊ स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा के बैंक मैनेजर राजेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी शराब के नशे में धुत था, जिसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है। पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे दोनों सिपाही सड़क पर दूर जा गिरे। बस की चपेट में आने से उनकी मृत्यु हो गई थी। इस घटना से नाराज अधिवक्ताओं और कचहरी कर्मचारियों ने शुक्रवार को आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू किया। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने बस स्टेशन परिसर में नारेबाजी की।

कुछ लोगों ने आक्रोश में तोड़फोड़ भी की, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हंगामे के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और जाम लग गया। यात्रियों और राहगीरों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख सदर कोतवाली पुलिस के साथ क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। लगभग एक घंटे की बातचीत और आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ और आवागमन बहाल किया गया।

क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और पुलिस हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह हादसा चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। उन्होंने दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नौजवानों के रोजगार के अवसर छीन रही सरकार

संवाददाता–महराजगंज। इंकलाबी नौजवान सभा के जिला संयोजन समिति का गठन मारवाड़ी धर्मशाला निचलौल में हुआ। इस दौरान इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय महासचिव नीरज कुमार मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नौजवानों के रोजगार के अवसर छीन लिया है। नौजवान प्राइवेट कंपनियों के शोषण के शिकार हो रहे हैं। कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होना सरकार की लापरवाही का परिणाम है। इसकी न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। पेपर लीक होने से एनटीए की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो रहा है। पेपर लीक करने वालों की गिरफ्तारी की जानी चाहिए।

नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन

भाजपा सरकार पर साधा निशाना, निष्पक्ष जांच की मांग

संवाददाता–देवरिया। नीट पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को छात्र संघ और विभिन्न छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया। शहर के सुभाष चौक पर हुए इस प्रदर्शन में छात्र नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय रावत ने आरोप लगाया कि केंद्र और प्रदेश सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। बीआरडी पीजी कॉलेज के छात्र नेता सूरज यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पेपर लीक एक रिकॉर्ड बन चुका है। उन्होंने सरकार पर छात्र और नौजवान विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। वहीं, छात्र नेता रामप्रित यादव और मनीष सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने छात्र संघों पर ताला लगाकर छात्रों की आवाज दबाने का काम किया है। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पेपर लीक मामलों में दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो छात्र संगठन सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने नीट पेपर लीक के साथ–साथ यूपी दरोगा भर्ती परीक्षा और अन्य राज्यों में हुए पेपर लीक मामलों का भी उल्लेख किया। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा कराने वाले विभागों की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। इस दौरान राहुल सिंह, अभिषेक यादव, संजय प्रताप सिंह, दीपक चौहान, समीउल्लाह, राकेश सिंह, कुबेर सिंह, अजय कुमार, अंश मिश्रा और आशुतोष ओझा सहित कई अन्य छात्र नेता मौजूद रहे।

पेशकार की मौत पर फूटा गुस्सा, अधिवक्ताओं ने बस स्टेशन को बंद कराया, परिसर में हंगामा

संवाददाता–महराजगंज। पेशकार की सड़क हादसे में मौत के बाद अधिवक्ताओं और दीवानी कचहरी कर्मियों ने बस स्टेशन परिसर में हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी और तोड़फोड़ की, जिससे करीब एक घंटे तक अफरा–तफरी का माहौल रहा। सिंदुरिया थाना क्षेत्र के पिपरा बाजार गांव निवासी मानवेंद्र मिश्रा निचलौल ग्राम न्यायालय में पेशकार के पद पर तैनात थे। बृहस्पतिवार को महराजगंज शहर में बस स्टेशन के पास एक रोडवेज

गन्ने के खेत में काम कर रहा था किसान, अचानक तेंदुए को देख मचाने लगा शोर

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के जटहा बाजार थाना क्षेत्र के माघी कोठिलवा के धूमनगर गांव में शुक्रवार को एक बार फिर तेंदुआ दिखने की सूचना से दहशत फैल गई। गांव के पास गन्ने के खेत में काम कर रहे एक किसान ने तेंदुए को देखा, जिसके बाद उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। किसान की आवाज सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और लाठी–डंडों के साथ पूरे खेत में तेंदुए की तलाश शुरू कर दी। हालांकि, ग्रामीणों के पहुंचने और शोर–शराबे के बीच तेंदुआ वहां से निकल चुका था। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम गांव पहुंच गई और आसपास के खेतों तथा सरेह में कॉम्बिंग शुरू कर दी। टीम ने ग्रामीणों से सतर्क रहने, रात में अकेले खेतों की ओर न जाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत विभाग को देने की अपील की है।

बतादें कि, पिछले कई दिनों से यूपी–बिहार सीमा से सटे जटहा बाजार क्षेत्र के गांवों में तेंदुए की दहशत बनी हुई है। कुछ दिन पहले पुर्नहा मिश्र के डुमरा टोला में तेंदुए ने आठ लोगों और दो पशुओं पर हमला किया था। करीब 20 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने उसे पकड़कर गोरखपुर चिड़ियाघर भेजा था। इसके बाद भी माघी कोठिलवा, धूमनगर और खेसिया के लेहहा टोला समेत कई गांवों में लगातार तेंदुआ दिखने की खबरें सामने आ रही हैं। सीमावर्ती इलाके के लोग शाम होते ही घरों में दुबकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों और बागीचों में काम करने जाने में भी अब डर लगने लगा है। वन विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है और क्षेत्र में कॉम्बिंग अभियान चला रहा था।

सर्पदंश से भाजपा नेता की मौत

संवाददाता–महराजगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के बभनौली निवासी भाजपा पिछड़ा वर्ग के पूर्व जिलाध्यक्ष शंभूनाथ वर्मा की सर्पदंश से मौत हो गई। निधन की सूचना पर सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया और पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह जिला अस्पताल पहुंचे। परिजनों को ढांढस बंधाया। हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। भाजपा पिछड़ा वर्ग के पूर्व जिलाध्यक्ष शंभूनाथ वर्मा शुक्रवार की सुबह खेत की तरफ गए थे। खेत में ही विषैले सांप ने उन्हें काट लिया। सूचना पर घर वाले मौके पर पहुंचे। सांप को पकड़कर साथ लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। डॉक्टर ने तत्काल एंटी स्नेक विनम इंजेक्शन देना शुरू किया। 13 वायल एएसवी लगने के बाद भी उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की सूचना मिलते ही सदर विधायक और पनियरा विधायक हॉस्पिटल पहुंचे। सीएमएस डॉक्टर एके द्विवेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

निजी बैंक के खिलाफ एजेंट और जमाकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल क्षेत्र के ग्राम बहुआर खुर्द में संचालित निजी बैंक के खिलाफ एजेंट और जमाकर्ताओं ने शुक्रवार को निचलौल तहसील पर प्रदर्शन किया। एसडीएम को ज्ञापन देकर जमा रकम के भुगतान कराने की मांग की।एजेंट इंद्रजीत यादव, प्रेमलाल, सूरज, जमाकर्ता विश्वंभरनाथ, बेचू रौनियार, सत्यम, मनोज, वीरेन्द्र, अवधेश आदि का कहना है कि इस बैंक में तकरीबन 350 खाताधारकों ने अपना रकम जमा किया है। इनके द्वारा तकरीबन 80 लाख रुपये जमा किया गया है। बीते आठ महीने से निजी बैंक के निदेशक और अन्य जिम्मेदार मोबाइल बंद करके गायब हैं। जिम्मेदार लोग इनकी जमा की गई रकम को हड़पने की फिराक में हैं। जमाकर्ताओं ने अपनी गाढ़ी कमाई निजी बैंक में जमा किया था, लेकिन अब इन्हें जब अपने रकम की जरूरत है तो निजी बैंक के जिम्मेदार इनका रकम भुगतान नहीं करना चाहते हैं। जमाकर्ताओं और एजेंटों का कहना है कि निजी बैंक ने जो चेक जारी किया था, उन चेकों से इन्हें रकम का भुगतान नहीं मिल पाया है। जमाकर्ताओं ने निजी बैंक के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पंखे की कुंडी से लटकता मिला विवाहिता का शव

संवाददाता–कुशीनगर। जिले तमकुहीराज थाना क्षेत्र के शिव संस्था के संस्था बुजुर्ग गांव में शुक्रवार की सुबह एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के भीतर पंखे की कुंडी से लटकता मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मायके पक्ष ने विवाहिता की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। गांव निवासी कमलेश शर्मा की 30 वर्षीय पत्नी अंजलि शर्मा शुक्रवार की सुबह अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे की कुंडी से लटकी मिली। घटना के बाद परिवार के लोग अंतिम संस्कार की तैयारी में जुट गए थे। इसी बीच किसी माध्यम से मृतका के मायके पक्ष को उसकी मौत की सूचना मिल गई। सुबह करीब सात बजे तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के तुर्कपट्टी महुअवा सूर्य मंदिर निवासी मृतका के भतीजे ने डायल–112 पर फोन कर अपनी बुआ की हत्या किए जाने की सूचना दी।

हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और थाने को अवगत कराया। कुछ ही देर में तमकुहीराज इंस्पेक्टर गिरिजेश उपाध्याय, समउर चौकी इंचार्ज अखिलेश यादव समेत अन्य पुलिसकर्मी और फॉरेंसिक टीम भी गांव पहुंच गई। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ शव को कब्जे में ले लिया। वहीं, अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे पति कमलेश शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। ग्रामीणों के अनुसार, कमलेश शर्मा चार भाइयों में तीसरे नंबर पर हैं और वह अपने माता–पिता व भाइयों से अलग मकान बनाकर पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। दोनों की शादी लगभग 12 वर्ष पहले हुई थी। दंपती के एक सात वर्षीय पुत्री और पांच वर्षीय पुत्र हैं।

घटना के बाद गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हैं। मायके पक्ष का आरोप है कि अंजलि की हत्या कर शव को फंदे से लटकाया गया है, जबकि पुलिस फिलहाल मामले को आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं से जांच रही है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक तमकुहीराज गिरिजेश उपाध्याय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, अभी तक किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमी के शादी से इनकार पर टावर पर चढ़ी युवती, पुलिस के समझाने पर उतरी

संवाददाता–कुशीनगर। चौराखास थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती प्रेमी द्वारा शादी से इनकार किए जाने से नाराज होकर शुक्रवार की सुबह मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती को टावर पर चढ़ा देख आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी देर तक समझाने–बुझाने के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतारा और थाने ले गई। थाना क्षेत्र की करीब 20 वर्षीय युवती का देवरिया निवासी एक युवक से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा है। युवक की युवती के गांव में रिश्तेदारी भी है। युवती युवक पर शादी का दबाव बना रही थी, जबकि युवक लगातार समय देकर बात टालता रहा। युवती का आरोप है कि गुरुवार को युवक ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया, जिससे वह आहत हो गई। शुक्रवार की सुबह गांव के लोगों ने युवती को गांव के पास स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ते देखा। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से युवती को समझाया, जिसके बाद वह नीचे उतरने को तैयार हुई। इस संबंध में चौराखास एसओ दिनेश कुमार साहनी ने बताया कि युवती से पूछताछ की जा रही है। युवक से संपर्क कर उसे थाने बुलाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले का समाधान कराया जा सके।

बाप के सीने में त्रिशूल घोंप कलयुगी बेटे ने मार डाला

संवाददाता–कुशीनगर। अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के रामपुर झुरिया के माफी टोला में गुरुवार की देर रात घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद कलयुगी बेटे ने अपने पिता के सीने में त्रिशूल घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

माफी टोला निवासी 55 वर्षीय ओमप्रकाश सिंह गुरुवार की रात परिवार के साथ भोजन कर रहे थे। खाना खाने के बाद बर्तन धोने की बात को लेकर घर में विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान पिता और छोटे बेटे 25 वर्षीय राधेश्याम सिंह के बीच कहासुनी बढ़ गई। परिजनों के अनुसार, दोनों ही शराब के नशे में थे और आये दिन घर में विवाद होता रहता था। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आए राधेश्याम ने घर के बाहर स्थित देवी स्थान पर लगे त्रिशूल को निकाल लिया और पिता के सीने में घोंप दिया। गंभीर रूप से घायल ओमप्रकाश जमीन पर गिर पड़े। परिजन उन्हें आनन–फानन में तिलिया स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक ओमप्रकाश के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अच्छेलाल रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है, जबकि छोटा बेटा राधेश्याम घर पर रहकर पल्लेदारी का काम करता था। राधेश्याम की शादी करीब दो महीने पहले 18 मार्च को रामकोला थाना क्षेत्र के करौता गांव में हुई थी। घटना के बाद घर पर मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में अहिरौली बाजार एसओ प्रविंदर राय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भाभी से अफेयर में खूनखराबा, बड़े ने शक में छोटे भाई को गोली मारी, तीन महीने पहले हुई थी शादी

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। पत्नी से अवैध संबंध के शक में बड़े भाई ने अपने ही छोटे भाई को गोली मार दी। गोली गले में लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पिस्टल और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, बेलीपार निवासी धर्मेंद्र पाल के पुत्र रोशन पाल को अपनी पत्नी और छोटे भाई रोहन पाल के बीच अवैध संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार रात करीब 11 बजे दोनों के बीच कहासुनी होने लगी।

आरोप है कि इसी दौरान रोशन पाल ने पिस्टल निकालकर छोटे भाई रोहन पाल पर फायर कर दिया। गोली रोहन के गले में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर डायल 112 और बेलीपार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल रोहन को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मौके से आरोपी रोशन पाल को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के पास अवैध असलहा कहां से आया। इस मामले में गांव के ही दो अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

ग्रामीणों के मुताबिक आरोपी रोशन पाल गांव की ही बिरादरी की युवती रुबी को भगाकर लाया था। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से करीब तीन माह पूर्व कौड़ीराम स्थित बगहा वीर बाबा मंदिर में दोनों की शादी कराई गई थी। परिवार में दो भाई रोशन और रोहन तथा एक बहन रोशनी है। घटना के समय घर में मौजूद पत्नी रुबी ने बताया कि वह और रोहन मिट्टी फेंक रहे थे। इसी दौरान रोशन वहां पहुंचा और आते ही पिस्टल निकालकर रोहन को गोली मार दी। पुलिस ने आरोपी रोशन पाल के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

विवाहिता ने छत की कुंडे से फंदा लगाकर आत्महत्या की

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के जगदीशपुर उर्फ लहुरादेवा गांव में पारिवारिक कलह के चलते एक विवाहिता ने शुक्रवार छत की कुंडे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद, कोतवाल और कांटे चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जानकारी करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लहुरादेवा गांव निवासी मेनका देवी (30) पत्नी देवनारायण का शव शुक्रवार को उनके कमरे में छत के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ मिला। मेनका के पति देवनारायण ने तत्काल 112 नंबर पर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कांटे चौकी प्रभारी उमाशंकर त्रिपाठी, कोतवाल जय प्रकाश दुबे और क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर लहुरादेवा पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण कर परिजनों से विस्तृत जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि मेनका का मायका दुधारा क्षेत्र के ग्राम सुम्हा में है। मेनका और देवनारायण का विवाह वर्ष 2021 में हुआ था और उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें डाली (4 वर्ष), छोटी (2 वर्ष) और लड्डू (6 माह) शामिल हैं।

परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि पति–पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। गुरुवार रात को भी उनके बीच कुछ कहासुनी हुई थी। शुक्रवार को मेनका दुपट्टे के फंदे से लटक गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक की पीट–पीटकर हत्या, शरीर पर मिले गहरे चोट के निशान

संवाददाता–अयोध्या। 23 वर्षीय युवक की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। मृतक के छोटे भाई की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के सरेसर चवरढार गांव की है। गांव निवासी दिलीप दुबे के पुत्र अभिषेक दुबे (23) की हत्या हुई है। बताया गया कि बृहस्पतिवार देर शाम कोतवाली क्षेत्र के चौरे बाजार कनिवा मोतीगंज मार्ग के किनारे विट्ठलपुर के समीप वह मरणासन्न अवस्था में पड़ा मिला था। शरीर पर जगह–जगह गंभीर जख्म के निशान थे। सड़क से आने–जाने वाले लोगों ने समझा कि कोई शराब पीकर पड़ा है। लेकिन, बाद में गहरे जख्म के निशान देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची मोतीगंज चौकी और कोतवाली पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बीकापुर भेजा। वहां पर हालत नाजुक देखकर चिकित्सक एस.के मौर्य ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। चिकित्सक एस.के मौर्य ने बताया कि युवक के शरीर पर चोट के गहरे जख्म थे।

शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता दिलीप दुबे, छोटे भाई अविनाश दुबे और मां गुड्डन देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। प्रधान अनिल तिवारी ने बताया कि मृतक दो भाइयों में बड़ा था। वह अभी अविवाहित था। पिता खेती करते हैं। मृतक के छोटे भाई अविनाश दुबे ने कोतवाली में तहरीर दी। इसमें बताया कि उनका बड़ा भाई अभिषेक दुबे करीब एक महीने पहले घर से रिश्तेदारी जाने के लिए निकला था। बाइक सवार दो अज्ञात आरोपियों द्वारा पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। बृहस्पतिवार शाम कनवा मार्ग किनारे गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गए। गंभीर चोट होने के चलते जिला अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

युवक की हत्या का मामला दर्ज करके पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। आसपास बाजार और सड़क किनारे दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पुलिस हत्या की कड़ियों को तलाश रही है। परिजनों ने बताया कि कम पढ़ा लिखा था। उसके पास मोबाइल फोन भी नहीं था। ग्रामीणों ने बताया कि अभिषेक दुबे अक्सर घर के बाहर रहता था। महीनों बाद घर आता था। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर दो अज्ञात बाइक सवार आरोपियों के विरुद्ध हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण वाद संख्या 189/2026

1– शाइस्ता खान उम्र करीब 61 वर्ष पुत्री मो० रफीक खाँ पत्नी इसरार अहमद खाँ निवासिनी ग्राम–टेऊवाँ ग्रान्ट, तप्पा कोट, परगना–बांसी पश्चिम, तहसील–इटवा, जिला सिद्धार्थनगर हाल मुकाम प्लाट नं0–84, गुल मोहर इनक्लेव, लवलाई. चिनहट फेज, लखनऊ।

2– तसलीम फातिमा उम्र करीब 60 वर्ष पुत्री मो० रफीक खाँ पत्नी सहाबुद्दीन निवासिनी ग्राम–टेऊवाँ ग्रान्ट, तप्पा कोट, परगना–बांसी पश्चिम, तहसील–इटवा, जिला सिद्धार्थनगर हाल मुकाम 2ए हरैला, बलरामपुर, जिला–बलरामपुर।

वादीगण

–बनाम–

इस्टेट ऑफ गफूरा

1– इस्टेट ऑफ गफूरा

–विपक्षी प्रथम पक्ष

2– शीबा खान उम्र करीब वर्ष पुत्री करम हुसेन पत्नी 3– जावेद खाँ उम्र करीब वर्ष 4– जमशेद खाँ उम्र करीब वर्ष 5– इमरान खाँ उम्र करीब वर्ष पुत्रगण करम हुसेन निवासीगण ग्राम–टेऊँवा ग्रान्ट, तप्पा–कोट, परगना–बांसी पश्चिम, तहसील–इटवा, जिला–सिद्धार्थनगर हाल पता सी०–98 ए सेक्टर 44, नोएडा, उ०प्र०

–विपक्षीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी– 10.07.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पुत्री/माता मृतक गफूरा को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि 1– इस्टेट ऑफ गफूरा ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 07 के 10 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 05 के 11 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

योजनाओं में लापरवाही पर अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विकास खंड लोटन बाजार की ग्राम पंचायत देवपुर मस्जिदिया में श्गांव की समस्या, गांव में समाधानश ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने पेंशन, राशन, आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, बिजली बिल, वरासत और भूमि विवाद जैसी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने कई योजनाओं का लाभ मिलने की बात कही। इस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन के मामलों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड बनवाने में तेजी लाने को कहा गया, ताकि गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल सके। किसानों की समस्याओं पर जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान सम्मान निधि से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती

वाद सं0– 251/2023

श्रीमती विद्यावती देवी आदि

बनाम

रामदेव आदि

2– बेदी उम्र लगभग 42 साल पुत्र बुद्धू निवासी ग्राम छपिया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 26–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– 1341/2019

कृष्ण चन्द्र

बनाम

श्रीमती कुसुमा देवी

1– श्रीमती कुसुमा देवी पत्नी ज्वाला प्रसाद साकिन डूंडी कैथवलिया तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

राष्ट्रीय हड़ताल के समर्थन में निकला मार्च, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोरखपुर। अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा एवं भाकपा–माले के कार्यकर्ताओं ने 15 मई को राष्ट्रीय हड़ताल के समर्थन में नगर निगम पार्क में एकत्रित होकर जिला अधिकारी कार्यालय तक मार्च निकाला। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। इसके बाद सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के राज्य सचिव राजेश साहनी ने कहा कि केंद्र सरकार की मजदूर, किसान और गरीब विरोधी नीतियों के खिलाफ देशभर में जनता सड़क पर उतर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को कमजोर किया जा रहा है, मजदूरों को रोजगार और सम्मानजनक मजदूरी नहीं मिल रही है तथा महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने मांग किया कि मनरेगा में 200 दिन काम और ₹600 दैनिक मजदूरी की गारंटी दी जाए, गैस, बिजली और पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाई जाए तथा गरीबों के आवास और जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला कर रही है, जिसे जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। भाकपा–माले जिला सचिव राकेश सिंह ने कहा कि देश में संविधान और लोकतंत्र पर लगातार हमला बढ़ रहा है। मजदूरों, किसानों, छात्रों और नौजवानों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर योजना, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से आम जनता त्रस्त है। भाकपा–माले जनता के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करेगी और गरीबों, मजदूरों तथा किसानों के अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। सभा का संचालन अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के जिला सचिव विनोद भारद्वाज ने किया तथा अध्यक्षता अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष श्याम चरण ने की। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से बजरंगी निषाद, विजय कुमार भारतीय, गोविंद चौहान, मनोज निषाद, डा सुभाष चन्द्र गुप्ता, सुभाष गुप्ता, नन्दू प्रसाद, दीनदयाल यादव, पुष्पा चौहान, सुग्रीव निषाद, सुदामा भारती, रेनू, राम किशोर वर्मा, सुभाष चन्द्र एवं राम आदि उपस्थित रहे।

भीम आर्मी के नेता पर रॉड से हमला कर सिर फोड़ा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले में कोतवाली टांडा क्षेत्र के पकड़ी भोजपुर चौराहे पर शुक्रवार सुबह दबंगों ने भीम आर्मी के आलापुर विधानसभा संयोजक पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने लोहे की रॉड से युवक का सिर फोड़ दिया और मौके पर जमकर तांडव मचाया। भीम आर्मी के दर्जनों कार्यकर्ता घायल युवक के साथ कोतवाली टांडा पहुंचे और घटना की लिखित तहरीर दी जिसपर कोतवाली टांडा पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराते हुए आधा दर्जन नामजद व आधा दर्जन अज्ञात दबंगों के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं के साथ–साथ एससी /एसटी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया। बीते गुरुवार की रात्रि में कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम पकड़ी भोजपुर में सूरज राम के यहां बहू भोज का कार्यक्रम था जिसमें कुछ लोगों के बीच कहासुनी हो गयी थी। शुक्रवार की सुबह भीम आर्मी के आलापुर विधानसभा संयोजक व थाना जहांगीरगंज के ग्राम लखनडीह निवासी चन्दन कुमार पुत्र संजय कुमार अपने फूफा सूरजराम के घर पकड़ी भोजपुर आए थे।

चन्दन जब अपने परिजनों को समझा–बुझाकर और कानूनी कार्रवाई की सलाह देकर वापस घर लौट रहे थे। पीड़ित का आरोप है कि जैसे ही वह पकड़ी भोजपुर चौराहे पर पहुंचे, वहां पहले से मौजूद सुभाष कुमार, सौरभ कुमार , गोलू वर्मा, अविनाश वर्मा , शुभम पांडेय , आकाश गुप्ता और उनके साथ मौजूद 5–6 अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। जातिसूचक अपशब्दों का प्रयोग करते हुए आरोपियों ने लोहे की रॉड से चन्दन के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े और बेहोश हो गए। दबंगों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से पीड़ित का 38 हजार की कीमत वाला मोबाइल फोन पूरी तरह तोड़ दिया।

इतना ही नहीं, मौके पर मौजूद पीड़ित और उसके साथी ज्ञानचंद की मोटरसाइकिल को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हल्ला गुहार पर राहगीरों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल अपील सं0–46/2025

मूलवाद सं0– 643/2015

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रफीक उर्फ पोपल

बनाम

माया देवी

1. माया देवी उम्र 45 साल पत्नी रामजनक मौजा मझियार तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट/प्रतिवादी

तारीख पेशी 06–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा क्लाइंट आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि० शाखा बस्ती ब्रान्च आफिस प्रथम तल, मकान संख्या–1323, मोहल्ला – पिकौरा शिव गुलाम, कटेश्वर पार्क के पास गाँधीनगर, बस्ती – 272001 उ0प्र0 की तरफ से सूचित किया जाता है कि हरीराम पुत्र मुन्नीलाल ग्राम उड़वलिया पो0–चेतिया, बांसी, सिद्धार्थनगर 272153 का एक पुराना बैनाम जो कि मनबहाल सिंह पुत्र रामकृपाल सिंह दिनांक–24–07–2013 बही सं0–1 जिल्द सं0–2954 के पृष्ट संख्या–259 से 280 क्रमांक सं0–2919 को हुआ मूल प्रति गायब हो गया है इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति में आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे, अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी को प्रकार के उपरोक्त संस्था को बंधक रखने मे कोई आपत्ति नहीं है।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)

L.G.F.–011, निचली भूतल, A1 बिल्डिंग ब्लाक – A, सेक्टर–59, नोएडा, उ0प्र0

पिन कोड – 201301,

मो.नं.– 8920298602

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0–202517140322097

अदालत– श्रीमान अतिरिक्त उप जिलाधिकारी प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती गीता देवी

बनाम

श्रीमती आशा देवी आदि

1. विजय कुमार पुत्र रामदेव साकिन पड़री तप्पा कनैला परगना नगर पूरव तहसील व जिला–

तारीख पेशी 19–05–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 12 माह 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, कुदरहा, बस्ती

पत्रांकः 287/ टेण्डर विज्ञप्ति / 2026–27 | दिनांक 13–05–2026

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

क्षेत्र पंचायत कुदरहा बस्ती द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजन/पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि तथा अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईंट, ईट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट, लोकल बालू, सीमेन्ट, मोरंग बालू, सरिया, पेन्ट वायरिंग, साइन बोर्ड हयूम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, बेन्च (सीमेन्ट कंकरीट) आर०ओ० प्लान्ट, कूढा दान हाई मास्क लाइट आदि अन्य सामग्री के आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में खण्ड विकास अधिकारी कुदरहा, बस्ती कार्यालय के निविदा बाक्स में दिनांक 13.05.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक–23.06.2026 अपरान्ह 02:00 बजे तक डाली जायेगी निविदा उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे विकास खण्ड के सभागार में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जयेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 13.05.2026 से 23.05.2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता।

नियम व शर्तेः–

1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी उसे क्षेत्र पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. खण्ड विकास अधिकारी द्वारा नामित अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4. सामग्री की आपूर्ति विकास खण्ड कुदरहा, बस्ती की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करनी होगी।
5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वेट तथा कार्टेज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाय।
6. सामग्री की आपूर्ति खण्ड विकास अधिकारी के आदेश पर की जायेगी।
7. सामग्री की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8. प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।
9. आपूर्ति कर्ता को नियमानुसार आयकर देना होगा, साथ ही साथ बिल से व्यापार कर सामग्री अंश के अनुसार वैट की कटौती की जायेगी।
10. सीमेन्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित का डीलरशिप/एजेन्सी होना अनिवार्य है। अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सीमेन्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
11. आपूर्ति दर स्वीकृत होनें तथा क्षेत्र पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12. निविदा फार्म विकास खण्ड कुदरहा, बस्ती कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500.00 रू० पर ही स्वीकृत की जायेगी।
13. सामग्री आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
14. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी के पास होगा।

खण्ड विकास विकास अधिकारी

कुदरहा, बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**

dainikbhartiyabasti@gmail.com